

सं० ओ० वि०/गुडगांव/2-87/18286.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० इण्डो स्विस् टाईम लि०, डुण्डहेड़ा, गुडगांव, के श्रमिक श्री राम निवास सैनी, पुत्र श्री भीम सिंह मार्फत श्री राव पृथ्वी सिंह यादव, लेबर ला एडवार्डज, शान्ति नगर निकट नेशनल हाई वे नं० 8, गुडगांव तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री राम निवास श्रमिक कार्य से स्वयं गैरहाजिर है या उस की सेवाओं की समाप्ति प्रबन्धकों द्वारा की गई है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 15 जून, 1987

सं० ओ० वि० एफडी/60-87/22724.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० राना टेक्सटाईल विविय मिल्ज, प्लॉट नं० 91, सेक्टर 6, फरीदाबाद के श्रमिक श्री नन्द लाल मार्फत श्री अमर सिंह शर्मा लेबर यूनियन आफिस सामने गवर्नमेंट मिडल स्कूल नं० 1, एन०आई०टी०, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री नन्द लाल की सेवा समाप्त की गई है वा उसने स्वयं गैरहाजिर होकर नौकरी से लियन खोया है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/एफ.डी./51-87/22729.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० आटो इम्प्रीशन प्रा० लि० प्लॉट नं० 6 सेक्टर 24 फरीदाबाद के श्रमिक श्री राज कुमार, पुत्र श्री आत्मा राम मार्फत भीम सिंह यादव 1-सी/46 ए, एन. आई. टी. फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री राज कुमार की सेवाओं का समापन अन्यायचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?